चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 18 अगस्त 2026, अंक –338.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

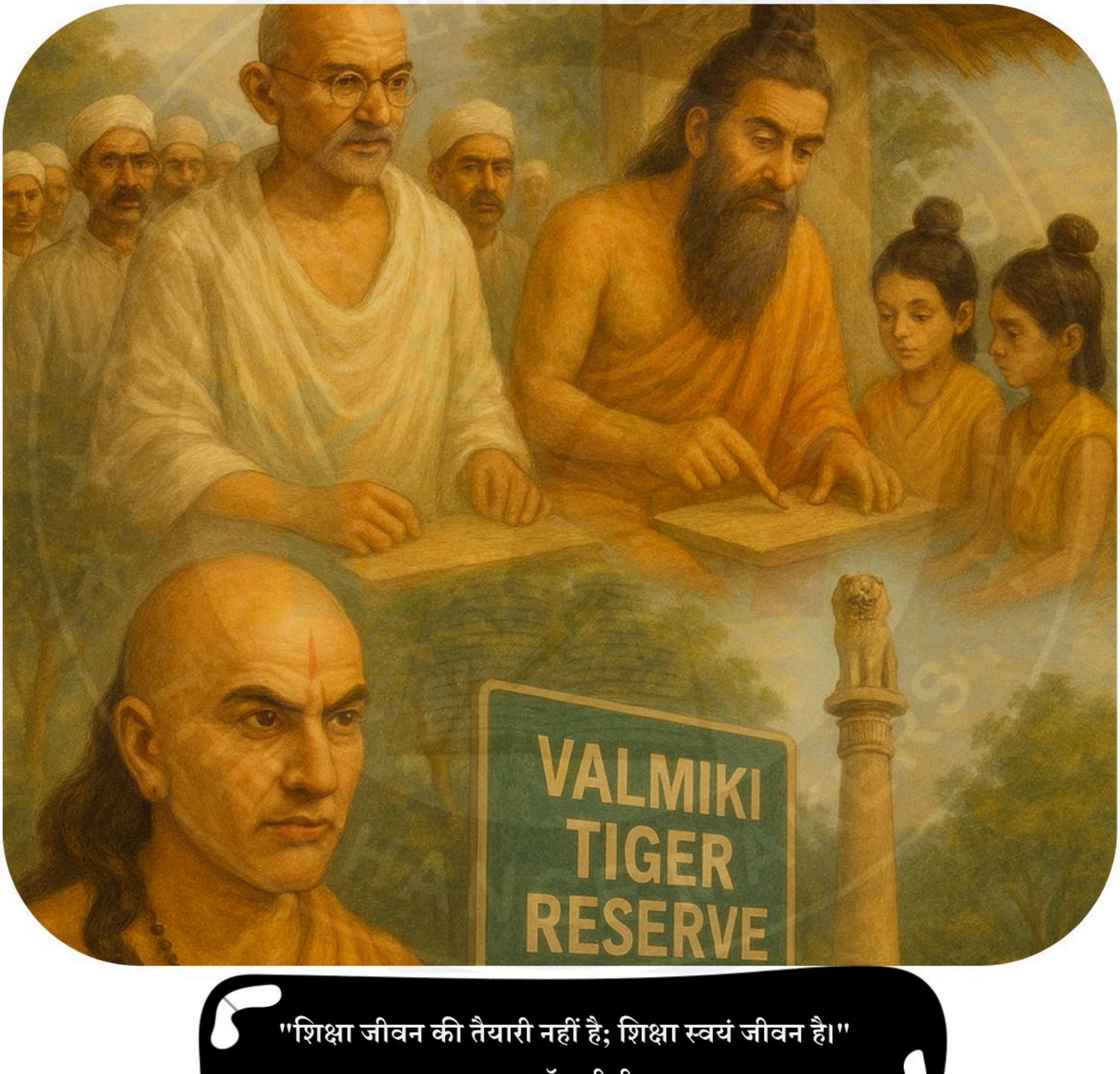

"शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है; शिक्षा स्वयं जीवन है।"
— जॉन डीवी

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

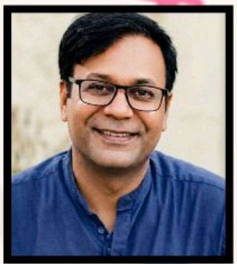

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. थाईलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: बैंकॉक
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राष्ट्रपति कौन थीं?
उत्तर: प्रतिभा पाटिल
प्रश्न 3. 'पावरी' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: महाराष्ट्र
प्रश्न 4. 49 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 7
प्रश्न 5. राजगीर किस प्राचीन महाजनपद की राजधानी था?
उत्तर: मगध �
Bihar State Transport Department
प्रश्न 6. राजाजी राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: उत्तराखंड
प्रश्न 7. विद्युत बल्ब के व्यावहारिक विकास से सबसे अधिक किस आविष्कारक का नाम जुड़ा है?
उत्तर: थॉमस एडिसन
प्रश्न 8. भारत के संविधान की प्रस्तावना में 'Fraternity' का हिन्दी अर्थ क्या है?
उत्तर: बंधुत्व
प्रश्न 9. 'जल्दी करने वाला' व्यक्ति कहलाता है—इसका एक शब्द क्या है?
उत्तर: उतावला
प्रश्न 10. पौधे प्रकाश संश्लेषण क्रिया के लिए किस गैस का उपयोग करते हैं?
उत्तर: कार्बनडाइऑक्साइड।

संकलन:-

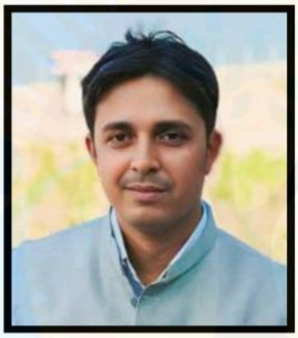

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Door – (डोर) – दरवाज़ा
Window – (विंडो) – खिड़की
Handle – (हैंडल) – पकड़ने का हत्था
Hinge – (हिंज) – कब्ज़ा
Keyhole – (कीहोल) – ताले का छेद
Knob – (नॉब) – घुंडी / गोल पकड़
Latch – (लैच) – चिटकनी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "किसके साथ ... करोगे/करोगी?" (Who will you ... with?)

तुम किसके साथ खेलोगे/खेलोगी? – Who will you play with?
तुम किसके साथ पढ़ोगे/पढ़ोगी? – Who will you study with?
तुम किसके साथ जाओगे/जाओगी? – Who will you go with?
तुम किसके साथ खाना खाओगे/खाओगी? – Who will you eat with?
तुम किसके साथ काम करोगे/करोगी? – Who will you work with?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 18 अगस्त को मनाए जाने वाले World Never Give Up Day का मुख्य संदेश किस मूल्य पर केंद्रित है?
उत्तर: दृढ़ता
व्याख्या: 18 अगस्त को World Never Give Up Day मनाया जाता है। इसका केंद्रीय संदेश कठिनाइयों, असफलताओं और बाधाओं के बावजूद प्रयास जारी रखने की भावना को प्रोत्साहित करना है। यह दिवस 2019 में शुरू हुए एक वैश्विक अभियान से विकसित हुआ और अनेक नगरों द्वारा मान्यता प्राप्त कर चुका है। विद्यार्थियों के लिए इसका शैक्षिक महत्व यह है कि सफलता केवल प्रतिभा पर नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर प्रयास और असफलताओं से सीखने की क्षमता पर भी निर्भर करती है। �
संदर्भ: Never Give Up Day आधिकारिक पोर्टल; National Day Calendar.
Never Give Up Day +1

प्र.2. 18 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में होने वाली 12वीं BRICS पर्यावरण मंत्रिस्तरीय बैठक का प्रमुख विषय किस क्षेत्र से संबंधित है?
उत्तर: पर्यावरण सहयोग
व्याख्या: भारत 18 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में 12वीं BRICS पर्यावरण मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 17 अगस्त को BRICS वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। BRICS के पर्यावरण सहयोग में जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, प्रदूषण नियंत्रण तथा सतत विकास जैसे विषय महत्वपूर्ण हैं। यह घटना भारत की बहुपक्षीय कूटनीति, पर्यावरणीय शासन और वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच सहयोग को समझने की दृष्टि से UPSC तथा BPSC के लिए उपयोगी है। �
संदर्भ: प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB), भारत सरकार; BRICS Environment Track, 2026.

प्र.3. 'भारत का संविधान' विषयक प्रसिद्ध पुस्तक 'India Wins Freedom' के लेखक कौन हैं?
उत्तर: मौलाना आज़ाद
व्याख्या: India Wins Freedom मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध आत्मकथात्मक राजनीतिक कृति है। इसमें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, कांग्रेस की राजनीति, विभाजन तथा स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक राजनीतिक घटनाक्रमों पर लेखक के प्रत्यक्ष अनुभव और विचार मिलते हैं। यह पुस्तक आधुनिक भारतीय इतिहास को समझने में विशेष महत्व रखती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पुस्तक-लेखक, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय नेताओं से संबंधित प्रश्नों के लिए यह एक उपयोगी संदर्भ है।
संदर्भ: India Wins Freedom — मौलाना अबुल कलाम आज़ाद; ओरिएंट लॉन्गमैन प्रकाशन.

प्र.4. भारत में जैव-विविधता संरक्षण के लिए सुरक्षित प्राकृतिक क्षेत्र को क्या कहा जाता है?
उत्तर: जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र
व्याख्या: जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र ऐसे संरक्षित क्षेत्र हैं जहाँ जैव-विविधता के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं और सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। इनमें प्राकृतिक पारितंत्र, वनस्पति तथा वन्यजीवों का संरक्षण किया जाता है। जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र केवल वन्यजीवों की रक्षा तक सीमित नहीं होते, बल्कि मानव और प्रकृति के सह-अस्तित्व तथा प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की अवधारणा को भी बढ़ावा देते हैं।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय–15 हमारा पर्यावरण; NCERT पर्यावरण संबंधी पाठ्यसामग्री, पृष्ठ संस्करणानुसार।

प्र.5. सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद किस नीति पर विशेष बल दिया?
उत्तर: धम्म
व्याख्या: कलिंग युद्ध की भीषण जनहानि ने अशोक के जीवन और शासन की दिशा को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद उन्होंने विजय की नीति में परिवर्तन करते हुए धम्म पर बल दिया। अशोक का धम्म किसी एक संकीर्ण धार्मिक संप्रदाय का नाम नहीं था, बल्कि नैतिक आचरण, बड़ों के सम्मान, सभी संप्रदायों के प्रति सहिष्णुता तथा जीवों के प्रति दया जैसे मूल्यों पर आधारित था। उनके अभिलेख इस नीति के प्रमुख ऐतिहासिक स्रोत हैं।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 6, हमारे अतीत–I, अध्याय–8 अशोक: एक सम्राट जिसने युद्ध का त्याग किया।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में लौह-अयस्क के लिए प्रसिद्ध पठारी क्षेत्र कौन-सा है?
उत्तर: छोटानागपुर पठार
व्याख्या: छोटानागपुर पठार भारत के खनिज-संपन्न क्षेत्रों में प्रमुख स्थान रखता है। झारखंड तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में लौह-अयस्क, कोयला, अभ्रक और अन्य खनिजों के महत्वपूर्ण भंडार पाए जाते हैं। लौह-अयस्क की उपलब्धता ने इस क्षेत्र में लौह-इस्पात उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित किया। खनिज संसाधनों और औद्योगिक अवस्थिति के बीच संबंध समझने के लिए यह क्षेत्र भूगोल में विशेष महत्व रखता है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 10, समकालीन भारत–II, अध्याय–5 खनिज और ऊर्जा संसाधन, पृष्ठ संस्करणानुसार।

प्र.7. भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निर्देशक तत्व किस भाग में हैं?
उत्तर: भाग चार
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग IV में राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों का वर्णन किया गया है। ये ऐसे संवैधानिक निर्देश हैं जिनका उद्देश्य देश में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र स्थापित करना तथा कल्याणकारी राज्य की दिशा निर्धारित करना है। इन्हें न्यायालय द्वारा सामान्यतः सीधे लागू नहीं कराया जा सकता, लेकिन शासन संचालन के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में इनके भाग, अनुच्छेद और प्रकृति से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण हैं।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 11, भारतीय संविधान का कार्य, अध्याय–2 संविधान में अधिकार; भारत का संविधान, भाग IV।

प्र.8. विद्युत परिपथ में अधिक धारा प्रवाहित होने पर सुरक्षा के लिए कौन-सा उपकरण पिघलकर परिपथ तोड़ देता है?
उत्तर: विद्युत फ्यूज
व्याख्या: विद्युत फ्यूज सुरक्षा उपकरण है जो अधिक धारा प्रवाहित होने पर गर्म होकर पिघल जाता है और विद्युत परिपथ को तोड़ देता है। इससे तारों के अत्यधिक गर्म होने, शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी दुर्घटनाओं का जोखिम कम होता है। फ्यूज तार का गलनांक अपेक्षाकृत कम रखा जाता है, इसलिए निर्धारित सीमा से अधिक धारा आने पर वह पहले पिघलता है और उपकरणों तथा तारों की सुरक्षा करता है।
संदर्भ: NCERT, कक्षा 7 विज्ञान, अध्याय–14 विद्युत धारा और उसके प्रभाव, पृष्ठ संस्करणानुसार।

प्र.9. बिहार की प्रसिद्ध लोकचित्रकला, जो मुख्यतः मिथिला क्षेत्र से संबंधित है, कौन-सी है?
उत्तर: मधुबनी चित्रकला
व्याख्या: मधुबनी चित्रकला बिहार के मिथिला क्षेत्र की प्रसिद्ध लोककला है। इसमें धार्मिक आख्यानों, देवी-देवताओं, प्रकृति, विवाह और सामाजिक जीवन से जुड़े विषयों का चित्रण किया जाता है। पारंपरिक रूप से प्राकृतिक रंगों तथा विशिष्ट रेखांकन का प्रयोग किया जाता रहा है। इस कला ने आधुनिक समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त की है तथा बिहार की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक बन गई है।
संदर्भ: NCERT, Unity in Cultural Diversity, बिहार खंड; NCERT की कला-शिक्षा सामग्री। �
NCERT

प्र.10. बिहार में प्राचीन बौद्ध शिक्षा का प्रसिद्ध केंद्र कौन-सा था?
उत्तर: विक्रमशिला
व्याख्या: विक्रमशिला प्राचीन भारत का प्रसिद्ध बौद्ध महाविहार और शिक्षा-केंद्र था, जिसकी स्थापना पाल शासक धर्मपाल के समय मानी जाती है। यह वर्तमान बिहार के भागलपुर क्षेत्र के निकट अंतिचक में स्थित था। यहाँ बौद्ध दर्शन, तर्कशास्त्र, व्याकरण और अन्य विषयों का अध्ययन कराया जाता था। विक्रमशिला ने नालंदा के साथ भारत की प्राचीन उच्च शिक्षा और बौद्ध विद्या की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को मजबूत किया।
संदर्भ: बिहार सरकार, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग; बिहार पर्यटन एवं पुरातत्व संबंधी आधिकारिक सामग्री।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान") के अनुसार — सर्पदंश होने पर सबसे पहले क्या नहीं करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: घाव को चूसें नहीं, काटें नहीं, बाँधें नहीं (टूर्निकेट नहीं)

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश एवं विषैले जीव-जंतुओं के काटने से बचाव") के अनुसार, सर्पदंश के बाद बच्चों को ये "नहीं करने वाली" बातें सिखाएँ — जो अधिकांश लोग गलती से करते हैं: (1) घाव को मुँह से न चूसें — इससे जहर चूसने वाले के मुँह में जाता है; (2) घाव को चाकू-ब्लेड से न काटें — संक्रमण और रक्तस्राव का खतरा; (3) टूर्निकेट (कस कर बाँधना) न करें — इससे ऊतक नष्ट होते हैं; (4) झाड़-फूँक में समय बर्बाद न करें। सही कदम: (1) पीड़ित को शांत रखें और हिलने-डुलने से रोकें — हृदय गति धीमी रहने पर जहर धीरे फैलता है; (2) काटे गए अंग को हृदय से नीचे रखें; (3) तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाएँ जहाँ एंटी-स्नेक वेनम (ASV) उपलब्ध हो। बिहार में सर्पदंश से प्रतिवर्ष अनेक मौतें होती हैं — सही जानकारी जीवन बचाती है।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W3 — "सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान"

प्र.12. भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ। यदि भारत 2047 में स्वतंत्रता का "शताब्दी वर्ष" मनाएगा, तो 2026 तक स्वतंत्रता के कितने प्रतिशत वर्ष पूर्ण हो चुके होंगे? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 79%

व्याख्या: कुल शताब्दी = 100 वर्ष (1947 से 2047)। 15 अगस्त 2026 तक पूर्ण वर्ष = 2026 − 1947 = 79 वर्ष। प्रतिशत = (79/100) × 100 = 79%। अर्थात् "विकसित भारत@2047" की यात्रा का 79% पूर्ण हो चुका है — और अभी 21% शेष है। यह गणना "प्रतिशत" (Percentage) की एक व्यावहारिक और प्रेरणादायक प्रस्तुति है। BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं में "प्रतिशत गणना" का यह सरलतम रूप है जो राष्ट्रीय जागरूकता से भी जोड़ता है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Percentage, p. 156;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण |

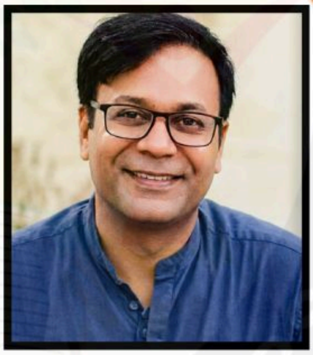

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Frivolous (फ्रिवलस) = Trivial (ट्रिवियल) = तुच्छ / गैर-गंभीर
  Antonym – Serious (सीरियस) = गंभीर

Gainsay (गेन्से) = Deny (डिनाइ) = खंडन करना / अस्वीकार करना
  Antonym – Affirm (अफर्म) = पुष्टि करना / स्वीकार करना

Impetus (इम्पिटस) = Stimulus (स्टिम्युलस) = प्रेरणा / प्रोत्साहन / गति देने वाली शक्ति
  Antonym – Hindrance (हिन्ड्रन्स) = बाधा

Mendacious (मेन्डेशस) = Untruthful (अनट्रुथफुल) = झूठा / असत्यवादी
  Antonym – Truthful (ट्रुथफुल) = सत्यवादी

Retort (रिटॉर्ट) = Reply (रिप्लाइ) = तीखा उत्तर देना / प्रत्युत्तर देना
  Antonym – Silence (साइलेंस) = मौन

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण |

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National Quantum Cybersecurity Framework' for Critical Banking and Defense Networks.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने महत्वपूर्ण बैंकिंग और रक्षा नेटवर्क्स के लिए 'राष्ट्रीय क्वांटम साइबर सुरक्षा ढांचा' लॉन्च किया।
राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के अंतर्गत केंद्र सरकार ने देश के रणनीतिक संचार और वित्तीय लेन-देन को पोस्ट-क्वांटम खतरों से सुरक्षित करने के लिए नए तकनीकी मानक अधिसूचित किए हैं। इसके तहत प्रमुख सार्वजनिक बैंकों, ऊर्जा ग्रिडों और रक्षा प्रतिष्ठानों में स्वदेशी क्वांटम की-डिस्ट्रीब्यूशन (QKD) और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी एल्गोरिदम लागू किए जाएंगे।

English Headline: NITI Aayog Unveils 'National Multi-Modal Logistics Performance Index 2026', Highlighting Inland Waterways Integration.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने अंतर्देशीय जलमार्ग एकीकरण को रेखांकित करते हुए 'राष्ट्रीय मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक 2026' का अनावरण किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में राष्ट्रीय रसद लागत को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 8% से नीचे लाने के प्रयासों के तहत अंतर्देशीय जलमार्गों, रेलवे फ्रेट कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे के सुचारु समन्वय में गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय रसद नीति के लक्ष्यों की प्रगति का आकलन करती है।

English Headline: ISRO Completes Integrated Engine-Gimbal Control Testing for Next-Generation Launch Vehicle (NGLV) Booster Stage.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने नेक्स्ट-जेनरेशन लॉन्च व्हीकल (NGLV) बूस्टर चरण के लिए एकीकृत इंजन-गिम्बल नियंत्रण परीक्षण पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में भारी पेलोड ले जाने वाले NGLV रॉकेट के थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण का सफल परीक्षण किया। यह तकनीक आगामी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) के मॉड्यूल और गहरे अंतरिक्ष अभियानों के भारी पेलोड को सटीक कक्षा में स्थापित करने में सहायक होगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Global Resolution on 'Ethical Governance and Risk Mitigation in Synthetic Biology'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'सिंथेटिक बायोलॉजी में नैतिक शासन और जोखिम शमन' पर वैश्विक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के विशेष सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने जीनोम एडिटिंग और सिंथेटिक बायोलॉजी के सुरक्षित, पारदर्शी और शांतिपूर्ण उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय नियामक रूपरेखा को मंजूरी दी। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य जैव-सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करना और विकासशील देशों में जैव-प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Commit $3.1 Billion for South Asian Regional Clean Energy Corridors.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय स्वच्छ ऊर्जा गलियारों के लिए $3.1 बिलियन की प्रतिबद्धता जताई।
दक्षिण एशियाई देशों के बीच सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने और ग्रिड-स्तरीय सौर व पनबिजली ऊर्जा के आदान-प्रदान के लिए यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। इसका उपयोग भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के बीच उच्च-क्षमता वाली ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण में किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Rolls Out 'Global Genomic Pathogen Surveillance Network 5.0' to Counter Antimicrobial Resistance.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) से निपटने के लिए 'ग्लोबल जीनोमिक पैथोजन सर्विलांस नेटवर्क 5.0' लागू किया।
एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया और सुपरबग्स के वैश्विक खतरे को नियंत्रित करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में एक उन्नत डिजिटल निगरानी मंच का विस्तार किया है। यह नेटवर्क रीयल-टाइम जीनोमिक डेटा का विश्लेषण करके सदस्य देशों को दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के प्रसार के प्रति पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Clean Fuel and Green Logistics Policy 2026' for Industrial Freight Fleet.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने औद्योगिक माल ढुलाई बेड़े के लिए 'मुख्यमंत्री स्वच्छ ईंधन एवं हरित लॉजिस्टिक्स नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में औद्योगिक उत्सर्जन को नियंत्रित करने और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन योजना स्वीकृत की है। इसके तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों, सीएनजी/एलएनजी वाणिज्यिक वाहनों और औद्योगिक पार्कों में ईवी फास्ट-चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने वाली इकाइयों को विशेष सब्सिडी दी जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Eco-Restoration Plan for Wetlands in Bagaha and Valmiki Tiger Reserve Eco-Zone.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने बगहा और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व इको-ज़ोन में आर्द्रभूमियों के लिए पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना योजना शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी बिहार में गंडक नदी से जुड़े प्राकृतिक जल निकायों और तराई आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण के लिए वन विभाग ने एक विशेष अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य संवेदनशील जलीय जीवों का संरक्षण, प्रवासी पक्षियों के आवास की सुरक्षा और क्षेत्र में प्राकृतिक जल संचयन क्षमता को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Contingent Clinches Gold in 50m Rifle 3-Positions at ISSF World Cup Stage.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी दल ने आईएसएसएफ (ISSF) विश्व कप चरण में 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।
अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ की विश्व कप प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में सटीक निशानेबाजी के दम पर शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे भारत पदक तालिका में अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रहा।

English Headline: International Table Tennis Federation (ITTF) Implements Advanced High-Speed AI Cameras for Ball-Spin and Edge Decision Review.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (ITTF) ने बॉल-स्पिन और एज निर्णय समीक्षा के लिए उन्नत हाई-स्पीड एआई कैमरे लागू किए।
अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अंपायरिंग निर्णयों की सटीकता बढ़ाने और विवादों को समाप्त करने के लिए आईटीटीएफ ने नई तकनीक को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के तहत टेबल के किनारों पर लगे उच्च-सटीक सेंसर और एआई वीडियो एनालिटिक्स की मदद से विवादास्पद निर्णयों की त्वरित और सटीक समीक्षा की जा सकेगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

बगुले का धैर्य

नदी के किनारे एक बगुला रोज सुबह शांत भाव से खड़ा रहता था। वह लंबे समय तक बिना हिले-डुले पानी को देखता रहता। मछलियाँ उसके आसपास तैरतीं, लेकिन वह हर मछली को पकड़ने की जल्दबाजी नहीं करता था। वह सही अवसर की प्रतीक्षा करता और जैसे ही कोई मछली उसकी पहुँच में आती, तेजी से उसे पकड़ लेता।

उसी नदी पर एक मछुआरा भी रोज मछली पकड़ने आता था। उसकी इच्छा थी कि कम समय में अधिक से अधिक मछलियाँ मिल जाएँ। वह बार-बार जाल फेंकता, पानी को हिलाता और फिर अधीर होकर जाल खींच लेता। उसकी जल्दबाजी के कारण मछलियाँ डरकर दूर चली जातीं।

एक दिन मछुआरे की नजर बगुले पर पड़ी। वह काफी देर से उसी स्थान पर शांत खड़ा था। मछुआरे ने सोचा, “यह बगुला इतनी देर से बिना हिले खड़ा है, फिर भी इसे मछली मिल जाती है। शायद मुझे भी अपनी जल्दबाजी छोड़कर धैर्य रखना चाहिए।”

लेकिन अगले ही पल उसके मन में लालच आ गया। उसने सोचा कि अगर वह बड़ा जाल फेंकेगा तो एक साथ बहुत सारी मछलियाँ पकड़ लेगा। उसने जोर से जाल नदी में फेंका। पानी में हलचल मच गई और सारी मछलियाँ दूर भाग गईं।

मछुआरे ने कई बार प्रयास किया, लेकिन हर बार खाली जाल ही उसके हाथ लगा।

दूसरी ओर बगुला उसी स्थान पर शांत खड़ा रहा। कुछ देर बाद एक मछली उसके पास आई और उसने तुरंत उसे पकड़ लिया।

मछुआरा समझ गया कि सफलता केवल अधिक प्रयास करने से नहीं, बल्कि सही समय पर सही प्रयास करने से मिलती है। उसने अपनी जल्दबाजी और लालच छोड़कर धैर्य से काम करना सीख लिया।

शिक्षा: “जल्दबाजी और लालच अवसरों को दूर कर देते हैं, जबकि धैर्य और शांत मन सफलता का रास्ता खोलते हैं।”

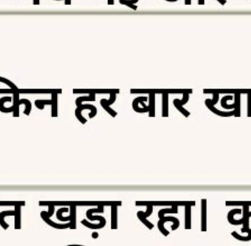

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

लोक नृत्य "झारी"

चम्पारण की खास लोक संगीत/नृत्य "झारी"

बिहार के तराई और चंपारण की सोंधी माटी में सावन की फुहारों के बीच जब हवाएं सरसराती हैं, तो वहां की चौपालों और सड़कों पर गूंजने वाली छड़ियों की 'खट-खट' की ताल सिर्फ एक आवाज़ नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक जीवंतता की धड़कन है। गुजरात के डांडिया या देश के अन्य हिस्सों के पारंपरिक लाठी नृत्यों के समकक्ष खड़ी यह स्वदेशी लोककला "झारी" कहलाती है, जो मुख्य रूप से श्रावण मास, नागपंचमी और कजरी के उल्लासभरे दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रकट होती है। यह नृत्य और गीत का एक ऐसा अनूठा संगम है जिसमें ग्रामीण समाज की सादगी, खेतों की महक और सामूहिक आनंद का असीम विस्तार समाहित है।

झारी की जड़ें चंपारण के कृषि समाज और श्रम-संस्कृति के बहुत गहरे में उतरी हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, धान की कठिन रोपनी के थकान भरे दिनों के बाद जब सावन की रिमझिम फुहारें वातावरण को सुहाना बनाती थीं, तब ग्रामीण युवा और किसान शाम ढलते ही चौपालों पर एकत्र होते थे। यह नृत्य उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक उल्लास का माध्यम था। इसमें जाति, वर्ग और उम्र के बंधन स्वतः टूट जाते थे और पूरा गांव एक गोल घेरे में आकर हाथ में मजबूत बांस की छड़ियां थाम लेता था। मौखिक परंपराओं के जरिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती यह लोक शैली भगवान शिव की बारात, कृष्ण-लीला, प्रकृति के सौंदर्य और लोक-नायकों के आख्यानों को अपने गीतों के जरिए जीवंत रखती आई है।

झारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान केवल किसी एक समुदाय की सांस्कृतिक सीमा में बंद नहीं रही। उपलब्ध लोक-साहित्य संबंधी दस्तावेजों में पूर्वांचल की ऐसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें हिन्दू समुदाय के लोग मुहर्रम के अवसर पर भी झारी गाते, ताजिया बनाते अथवा उसमें सहभागी होते रहे हैं। लोकरंग की सामग्री में इस साझा परंपरा का प्रत्यक्ष उल्लेख मिलता है और यह भी बताया गया है कि मुहर्रम में झारी लकड़ी के डंडों को बजाकर गाई जाती है। मुहर्रम की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति, विशेषकर हसन और हुसैन की कथा, संघर्ष और शहादत, लोकभाषा और लोकधुन के माध्यम से सामान्य ग्रामीण समाज तक पहुँचती है। कई जगह झारी गीतों में हसन-हुसैन को योगी के रूप में प्रस्तुत करने वाले लोकगीत का भी उल्लेख मिलता है।

इस लोक शैली की सबसे बड़ी खूबी इसका आंतरिक संगीत और अद्वितीय रिदम है। झारी में किसी बड़े, भारी या कृत्रिम वाद्य यंत्र की अनिवार्यता नहीं होती; कलाकारों के हाथों में लहराती छड़ियों का आपसी टकराव ही वह प्राकृतिक ताल पैदा करता है जो रोंगटे खड़े कर देने वाली ऊर्जा भर देता है। इसमें 'अगुआ' (मुख्य गायक) द्वारा उठाई गई लोकगीत की एक पंक्ति को घेरे में घूम रहे बाकी साथी 'पछुवा' (कोरस) के रूप में एक निश्चित ताल और तीव्र गति से दोहराते हैं। नृत्य की शुरुआत जहां एक धीमी, अनुशासित और संयत लय से होती है, वहीं जैसे-जैसे रात गहरी होती है, इसका टेम्पो (गति) इतना द्रुत और मत्त करने वाला हो जाता है कि दर्शक और कलाकार दोनों लोक-लय की एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं।

विडंबना यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़, मनोरंजन के नए साधनों और पारंपरिक मेलों व चौपालों के सिमटते दायरे ने चंपारण की इस अनमोल थाती को आज विलुप्ति के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राज्य के सांस्कृतिक मानचित्र पर इसे वह आधिकारिक पहचान और आदर नहीं मिल पाया जिसकी यह हकदार थी। इसके पारंपरिक गीतों, धुनों और नृत्यों के चरणों का कोई ठोस डिजिटल या लिखित दस्तावेजीकरण न होने के कारण यह कला अब चंपारण के कुछ सुदूर गांवों के बुजुर्गों की स्मृतियों तक सिमट कर रह गई है। यदि समय रहते इसे संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध विरासत को केवल किंवदंतियों के रूप में ही जान पाएंगी।

बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से यदि ऐसे प्रयास किए जाएँ तो झारी जैसी लोकपरंपराएँ केवल संग्रहालय की वस्तु बनने से बच सकती हैं। युवा पीढ़ी इन्हें डिजिटल माध्यम, लोक-मंच, वृत्तचित्र और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचा सकती है।

इस अनमोल लोक-विरासत को बचाने के लिए अब केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि युद्धस्तर पर सार्थक पहल करने का समय है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को चाहिए कि वे राजकीय महोत्सवों, लोक-उत्सवों और पर्यटन सर्किट में झारी के पारंपरिक दलों को मंच और प्रोत्साहन प्रदान करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक संबल भी मिल सके।

साथ ही, आज की Gen Z और युवा पीढ़ी से यह गंभीर आह्वान है कि वे अपनी जड़ों से कटने के बजाय इस स्वदेशी ताल को अपनी आधुनिक सांस्कृतिक पहलों, डिजिटल रील्स और फ्यूजन संगीत का हिस्सा बनाएं। जब तक युवा अपनी मिट्टी की इस अनूठी लय पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी लोक-पहचान अधूरी रहेगी। झारी को बचाना केवल एक विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि अपनी उस सामूहिक सांस्कृतिक आत्मा को बचाना है जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है।

................✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"बिहार दर्शन : जहानाबाद, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: जहानाबाद: वाणेश्वर का शिवत्व, मखदूम की विरासत और किसान क्रांति

जहानाबाद का ऐतिहासिक ताना-बाना केवल मगध की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्राचीन शैव परंपरा, समृद्ध सूफी संस्कृति और सामाजिक न्याय के संघर्षों का एक जीवंत दस्तावेज है। मखदुमपुर प्रखंड में स्थित वाणेश्वर महादेव मंदिर (बाणगंगा धाम) इस क्षेत्र की प्राचीनतम धार्मिक धरोहरों में से एक है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार, महाभारत कालीन बाणासुर की तपस्या और भगवान श्रीकृष्ण के प्रसंगों से जुड़े इस पावन धाम में प्राकृतिक जलधारा निरंतर प्रवाहित होती रहती है, जो सदियों से मगध के श्रद्धालुओं के लिए अगाध आस्था का केंद्र बनी हुई है।

सांस्कृतिक और सूफी परंपरा के धरातल पर जहानाबाद का नाम 14वीं शताब्दी के प्रख्यात सूफी संत हज़रत मखदूम यहिया मनेरी और उनके समकालीन संतों के प्रभाव से जुड़ा है। मखदुमपुर में स्थित सूफी दरगाहें और 'खानकाह' गंगा-जमुनी तहज़ीब की मजबूत प्रतीक रही हैं, जिन्होंने जाति और धर्म के बंधनों से परे प्रेम, समता और बंधुत्व का संदेश प्रसारित कर इस क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने को एक अटूट सूत्र में पिरोया।

जहानाबाद का आधुनिक इतिहास सामाजिक चेतना और किसान आंदोलनों की धधकती ज्वाला से आलोकित रहा है। 1930 के दशक में स्वामी सहजानंद सरस्वती और पंडित यदुनंदन शर्मा के नेतृत्व में उठी किसान क्रांति का जहानाबाद सबसे सक्रिय गढ़ था। अतरी, मखदुमपुर और जहानाबाद के किसानों ने ज़मींदारी प्रथा, लगान वसूली और बेगारी के खिलाफ जो ऐतिहासिक संघर्ष छेड़ा, उसने पूरे बिहार में काश्तकारों के हक की लड़ाई को एक नई दिशा दी।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में भी जहानाबाद की भूमिका अत्यंत गौरवशाली रही। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान जहानाबाद, मखदुमपुर और घोसी के स्थानीय क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश शासन की संचार व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया और रेलवे स्टेशनों तथा थानों पर धावा बोलकर तिरंगा फहराया। अंग्रेजों की गोलियों और लाठियों की परवाह किए बिना इस माटी के अनेक गुमनाम वीरों ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए, जिनकी शहादत आज भी मगध के लोक-गीतों में अमर है।

जहानाबाद का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की माटी में आध्यात्मिक शांति, सूफी सौहार्द और अन्याय के खिलाफ शंखनाद करने वाला जुझारू चरित्र एक साथ विद्यमान है। वाणेश्वर धाम की पावन धारा हो, मखदूम साहब का मानवीय संदेश हो या किसान आंदोलनों का इंकलाब—ये सभी तत्व मिलकर जहानाबाद को बिहार के इतिहास का एक अमिट अध्याय बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org